भजन

तर्ज– तेरे चेहरे से नजर नहीं हटती

तेरे दर बिना प्यास नहीं बुझती,
द्वारे हम क्या देखें
झूठी दुनियां अब अच्छी नहीं लगती
नजारे हम क्या देखें

1– तेरा मिलन हो धनी,रूह चौन पाती है–2
तेरी जुदाई हमें, बहुत तड़पाती है–2
जैसे जल बिन मछली तड़पती
सहारे हम क्या देखें

2– दूल्हा के बिना जैसे,बारात अधूरी है–2
बिना सनमंध,कोई बात न पूरी है–2
बिना दूल्हा के दुल्हन नहीं सजती
नजारे हम क्या देखें

3– सतगुरू बन के मेरे,धाम दुल्हा आये हैं–2
रूहों की खातिर,कितने कष्ट उठाये हैं–2
पिया तेरे बिना रात नहीं ढलती
सितारे हम क्या देखें